

nt>

**12.22 hrs.**

**(i) Starvation Deaths in Drought Affected Areas of Nalanda Parliamentary Constituency, Bihar**

Title: Starvation deaths in drought affected areas of Nalanda parliamentary constituency of Bihar.

**श्री नीतीश कुमार (नालन्दा) :** अध्यक्ष जी, बहुत दुःख के साथ मैं इस विषय को उठा रहा हूँ। बिहार के कुछ हिस्सों में भयानक सूखे की स्थिति है और कुछ इलाकों में भूख से मौतें भी हुई हैं। इसकी खबरें वहाँ के स्थानीय समाचार पत्रों के एडीशन में छपी हैं लेकिन राष्ट्रीय स्तर के अखबारों में खबर नहीं छपी है। इसलिए लोगों के ध्यान में ये खबरें नहीं आई हैं। नालन्दा जिले में नवम्बर महीने में 6 लोगों की भूख से मौत हुई है। नवम्बर की पांच तारीख को बच्ची देवी, पत्नी इंद्रदेव भगत, ग्राम निजमपुरा, अस्थावां, नालन्दा। छः तारीख को मुगिया देवी पत्नी स्व. राम विपुन मांझी, गुलाब बाग, मोहन चक पंचायत, इस्लामपुर, नालन्दा। नौ नवम्बर को सहोदरी देवी, पत्नी स्व. तेतर मांझी, ग्राम परियौना, पो. मेयार, नूरसाल, नालन्दा। नवम्बर की 13 तारीख को जवाहर राम, पुत्र स्व. हरिराम, मल्लिक सराय, इस्लामपुर नगर पंचायत, नालन्दा। बीस तारीख को संगीता देवी, पत्नी गणेश रविदास, ग्रा. और पो. राणीपुर, इस्लामपुर, नालन्दा। तीस नवम्बर को मीना देवी पत्नी गनौरी पासवान, ग्राम और पो. खुदागंज, इस्लामपुर, नालन्दा। इस तरह से 6 लोगों की मौतें हो चुकी हैं और लगातार यह सिलसिला जारी है। वहाँ की स्थिति बहुत खराब है और प्रशासन की संवेदना समाप्त हो चुकी है। किसी भी प्रकार की राहत उनको मुहैया नहीं कराई जा रही है। वहाँ की स्थिति इतनी भयानक है कि वहाँ पीने के पानी का संकट पैदा हो गया है। कुएं सूख चुके हैं और हैंडपम्प भी बेकार हो चुके हैं। इस तरह की स्थिति वहाँ उत्पन्न हो चुकी है।

खरीफ की फसल होने का सवाल नहीं है। वार्ड नहीं होने के कारण रबी की बुआई नहीं हुई। नतीजा यह हुआ कि वहाँ किसी के पास काम नहीं है। काम नहीं होने की स्थिति में मजदूर वर्ग के लोग और गरीबों की भूख से मौतें हो रही हैं। काम के बदले अनाज योजना नए सिरे से जोर-शोर से कुछ जगहों में चालू करने की बात की गई है लेकिन नालन्दा जिला सूखे से सर्वाधिक प्रभावित है, उसका कहीं नाम नहीं है। वहाँ काम के बदले अनाज योजना की शुरुआत नहीं हो रही है। मैंने वहाँ के स्थानीय प्रशासन और केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री को भी कहा कि आखिर वहाँ कोई कार्रवाई होनी चाहिए और काम के लिए कोई न कोई केन्द्र की योजना चलनी चाहिए ताकि वहाँ के गरीब लोगों को काम मिले। वहाँ लोग बुनियादी तौर पर कृषि पर आधारित हैं लेकिन कृषि चौपट हो चुकी है। किसी को काम नहीं मिल रहा है। पीने का पानी का संकट है, मवेशियों के लिए चारे का संकट उत्पन्न हो रहा है लेकिन सरकार की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। हमें इस बात का बहुत अफसोस है। मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूँ कि वह वहाँ की स्थिति को गम्भीरता से ले, केन्द्र की तरफ से टीम भेजी जाए और पूरी स्थिति का मुआयना किया जाए। मैं आग्रह करूँगा कि वहाँ किसी न किसी प्रकार से लोगों को काम देने के लिए योजना चलायी जानी चाहिए। हम नहीं जानते कि राज्य सरकार इसमें कुछ कर पाएगी या नहीं? राज्य सरकार कुछ कर पाती तो शायद यह नौबत नहीं आती कि हमें लोक सभा में इस प्रश्न को उठाना पड़ता। इसलिए आग्रह करूँगा कि यहाँ से एक टीम भेजे। कृषि मंत्री इस पर वक्तव्य दें चूंकि यह ड्राउट से संबंधित मामला है। गृह मंत्री यहाँ मौजूद हैं। डिजास्टर के लिए बनी मैनेजमेंट इनके जिम्मे है। कैलेमिटी का काम इनके जिम्मे है लेकिन यह ड्राउट से संबंधित प्रश्न है इसलिए हम चाहेंगे कि कृषि मंत्री इस पर बयान दें।

मैं गृह मंत्री से आग्रह करूँगा कि इस मामले में सरकार का रिसर्पॉस होना चाहिए। यह कोई पार्टी का सवाल नहीं है। यह एक मानवीय संवेदना का प्रश्न है। सरकार का बुनियादी दायित्व है। प्रधान मंत्री वहाँ बाढ़ के सिलसिले में गए थे। उन्होंने कहा था कि भूख से एक व्यक्ति की मौत होने नहीं देंगे। बाढ़ के बाद भी कई इलाकों में सूखे जैसी स्थिति है। गंगा के दक्षिणी इलाके में भयानक स्थिति है। इससे ज्यादा बदनमा धब्बा किसी सरकार के लिए नहीं हो सकता कि उसके राज में लोग भूख से मर रहे हैं। एनडीए सरकार के समय 12 राज्यों में सूखा पड़ा था लेकिन किसी को भूख से मरने नहीं दिया गया था। जितनी अनाज की जरूरत थी, वह यहाँ से मुहैया करायी गई थी। आपकी तमाम घोषणाओं के बाद अगर लोग भूख से मर रहे हैं, इससे अधिक कोई शर्मनाक बात नहीं हो सकती। मैं इसके बारे में सरकार का रिसर्पॉस चाहता हूँ। **â€¦ (व्यवधान)**

MR. SPEAKER: You have made your point. Thank you. I have given you the fullest opportunity.

**श्री नीतीश कुमार :** अध्यक्ष महोदय, मैं इस पर सरकार का जवाब चाहता हूँ। **â€¦ (व्यवधान)**

MR. SPEAKER: Very senior Ministers are here. If you want to respond, you can respond.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): Generally, when the issues are raised in the 'Zero Hour', unless we are asked to respond, we do not do it. Sir, we had received information from the State Government about the difficulties faced by the people because of the drought and floods. Those requests were considered in the Committee which consists of representatives from the Home Ministry, Agriculture Ministry and also others. We have given a large quantity of foodgrains and huge amounts of money to the State Government to meet the demands of the people and to help them. We will take note of the information which is given by the hon. Member, and we will discuss this issue with the State Government. If anything else, more than what we have already done, has to be done, we will certainly look into it.

MR. SPEAKER: It is very good. You got a reply also.

.....